DRAFT

National Education Policy-2020

Common Minimum Syllabus for all Uttarakhand State Universities and Colleges for Master of Art in SanskritTwo Years of Higher Education

PROPOSED STRUCTURE OF PG SANSKRIT SYLLABUS

2023-2024

Syllabus Preparation, checked and modified by:

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
1.	PROF. KAUSTUBHA NAND PANDAY	PROFESSOR	SANSKRIT	SOBAN SINGH JEENA, ALMORA UNIVERSITY
2.	PROF. JAYA TIWARI	PROFESSOR	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
3.	PROF. SHALIMA TABASUM	PROFESSOR	SANSKRIT	SOBAN SINGH JEENA, ALMORA UNIVERSITY
4.	PROF. KAMALA PANT	PROFESSOR	SANSKRIT	MBPG COLLEGE, HALDWANI
5.	PROF. SHALINI SHUKLA	PROFESSOR	SANSKRIT	PG COLLEGE, PITHORAGAR
6.`	PROF. POONAM PATHAK	ASSOCIATE PROFESSOR	SANSKRIT	SHRIDEV SUMANA UNIVERSITY, RISHIKESH
7.	DR. MAYA SHUKLA	ASSOCIATE PROFESSOR	SANSKRIT	PG COLLEGE, RAMGAD
8.	DR. LAJJA BHATT	ASSOCIATE PROFESSOR	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
9.	DR. NEETA ARYA	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
10.	DR. NEERAJ JOSHI	ASSISTANT PROFESSOR (CONTRECE)	SANSKRIT	UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI
11.	DR. PRADEEP KUMAR	ASSISTANT PROFESSOR (CONTRECE)	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL

Year Wise Structure of P.G. Courses Under National Education Policy- 2020

Subject: Sanskrit

Course /Entry –Exit Levels	Year	Sem.	Major Course	PAGE NO.	Credit/ hrs	Minor/ Elective	Credit/ hrs	Research Project	Credit
Master in Arts-Sanskrit	IV	VII	1– वेद एवं वैदिक साहित्य का इतिहास	06-07	5	1– (क) संस्कृतभाषा : व्यावहारिक संस्कृत (पृष्ठ संख्या– 14–15) **अथवा** 1– (ख) अथर्ववेद एवं आयुर्वेद चिकित्सा (पृष्ठ संख्या– 14–15) **अथवा** 1– (ग) योग दर्शन (पृष्ठ संख्या– 16)	4	*संस्कृत कथा साहित्य का सामान्य अध्ययन– शोधपरियोजना **एवं** मौखिकी परीक्षा (पृष्ठ संख्या– 21)	4
			2– व्याकरण, पाली एवं प्राकृत	08-09	5				
			3– सांख्य एवं न्यायदर्शन	10-11	5				
			4– संस्कृतरूपक एवं रूपककार	12-13	5				
Master in Arts-Sanskrit		VIII	5– वेदांग (निरुक्त, ऋक्प्रातिशाख्य एवं पाणिनीय शिक्षा)	22-23	5			* संस्कृत साहित्य एवं पर्यावरण विज्ञान– शोधपरियोजना **एवं** मौखिकी परीक्षा (पृष्ठ संख्या– 30)	4
			6– व्याकरणदर्शन एवं भाषाविज्ञान	24-25	5				
			7– वेदान्तसार एवं दर्शनशास्त्र का इतिहास	26-27	5				
			8– काव्य एवं भारतीय संस्कृति	28-29	5				
Master in Arts-Sanskrit	V	IX	9– व्याकरण– महाभाष्य, सिद्धिप्रक्रिया एवं सूत्र व्याख्या	31-32	5			*संस्कृत और भारतीय समाज–शोधपरियोजना **एवं** मौखिक परीक्षा (पृष्ठ संख्या– 39)	4
			10– गद्य एवं ऐतिहासिक काव्य	33-34	5				
			11– काव्यशास्त्र	35-36	5				
			12– साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र	37-38	5				
Master in Arts-Sanskrit		X	13– संस्कृतप्रकरण, चम्पूकाव्य एवं निबन्ध	40-41	5			*संस्कृत नाट्य एवं सिनेमा–शोधपरियोजना **एवं** मौखिक परीक्षा बाह्य परीक्षक द्वारा (पृष्ठ संख्या– 48)	4
			14– काव्यशास्त्र	42-43	5				
			15– साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र	44-45	5				
			16– अर्वाचीन संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार	46-47	5				

Semester-wise Titles of the Papers in Sanskrit-National Education Policy- 2020

COURSE INTRODUCTION

Programme outcomes (POs):PG	
PO1	साहित्य एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा समाज एवं उसकी दशा, गति, दिशा, उसके उद्वेलन आदि को सजीवता के साथ चित्रित किया जा सकता है। विद्यार्थी स्नातकोत्तर स्तर पर संस्कृत साहित्य का अध्ययन करते हुए अपनी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं सामाजिक गतिविधि की पहचान प्राप्त करता है।
PO2	संस्कृत साहित्य वैदिक और लौकिक दो रूपों में विद्यमान है जिसके अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृत साहित्य की विस्तृत परम्परा का भी ज्ञान प्राप्त करता है।
PO3	संस्कृत साहित्य भौतिकवादी संस्कृति में भी मानव को सही दिशा निर्देश करते हुए समुन्नत जीवन मूल्यों को अपनाने की शिक्षा देता है।
PO4	विद्यार्थी संघ लोक सेवा आयोग एवं राज्य लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन हेतु विशिष्ट विषय के रूप में संस्कृत साहित्य का सम्पूर्ण ज्ञान प्राप्त करता है।
PO5	विद्यार्थी संस्कृत अनुवाद एवं सस्कृत पत्रकारिता जैसे रोजगारपरक क्षेत्रों में कार्य करने हेतु आधार भूत ज्ञान प्राप्त करता है।
PO6	विद्यार्थी उच्चस्तरीय शोध एवं उच्चशिक्षा में अध्यापन हेतु आधारभूत ज्ञान एवं योग्यता प्राप्त करता है।
Programme specific outcomes (PSOs): PG	
PSO1	संस्कृत–भाषा एवं साहित्य में निपुणता।
PSO2	सामाजिक, सांस्कृतिक, दार्शनिक एवं आध्यात्मिक राष्ट्रीय सन्दर्भों में संस्कृतसाहित्य की विशाल परम्परा का रचनात्मक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करना।
PSO3	महान् एवं उदात्त साहित्यिक कृतियों के साक्ष्य से उन्नत जीवन एवं नैतिक मूल्यों के अनुपालन हेतु प्रेरित करना।
PSO4	साहित्य के साक्ष्य से राष्ट्र निर्माण की समझ विकसित करना।
PSO5	साहित्य के साक्ष्य से व्यक्ति एवं समाज में सद्भाव, समरसता, समानता, सहिष्णुता आदि मानवीय गुणों का विकास करना।
PSO6	साहित्य के माध्यम से जनसाधारण की समस्याओं और सङ्घर्षों का साक्षात्कार करना।
Course Outcomes: (COs): PG	
CO1	विद्यार्थी वेद, वैदिकसंहिता, ब्राह्मणग्रन्थ, आरण्यकग्रन्थ, उपनिषद्,वेदाङ्ग एवं वैदिकसाहित्य की पृष्ठभूमि में रचित ग्रन्थों से सुपरिचित होंगे एवं वैदिक साहित्य के माध्यम से नैतिक एवं राष्ट्रिय भावना से अभिभूत होंगे।
CO2	संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित होंगे।
CO3	भारतीय दार्शनिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे।
CO4	रूपकसाहित्य में निहित चरित्रों के अध्ययन से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष को समझ पायेंगे।
CO5	आर्षकाव्योंके अध्ययन सेविद्यार्थी सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, दार्शनिक, सांस्कृतिक, क्षेत्रों में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।
CO6	विद्यार्थी आर्षकाव्यों में वर्णित भारतीय जनजीवन के चित्रण में भौगोलिक ज्ञान एवं अध्यात्म की उच्चतम स्थितियों से सुपरिचित होंगे।
CO7	उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्य की परम्परा से सुपरिचित होकर रचनात्मक क्षेत्र में प्रेरणा प्राप्त करेगें।
CO8	शोधपरियोजना के माध्यम से संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं में शोध कार्य करके भारतीय ज्ञान परम्परा को अक्षुण्ण बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।
CO9	संस्कृत साहित्य के अन्तर्गत मौखिकी परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में साक्षात्कार देने में निपुण बनेगें।

CO10	भाषाविज्ञान के अध्ययन से भाषा के स्वरूप, उद्‌गम एवं विकास से सुपरिचित होगे तथा ध्वनिविज्ञान, वाक्यविज्ञान एवं अर्थविज्ञान की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे।

MASTER IN ARTS- PG		
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*	**Year: IV**	**Semester: VII** **Paper- I**
Subject: Sanskrit		
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध– प्रथम प्रश्नपत्र– 1/1 वेद एवं वैदिक साहित्य का इतिहास**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. वेद, वैदिकसंहिता, ब्राह्मणग्रन्थ, आरण्यकग्रन्थ, उपनिषद्, वेदाङ्ग एवं वैदिकसाहित्य की पृष्ठभूमि में रचित ग्रन्थों से सुपरिचित होंगे।
2. वैदिक सूक्तों के महत्त्व से सुपरिचित होंगे।
3. वैदिकसाहित्य के माध्यम से नैतिक एवं राष्ट्रिय भावना से अभिभूत होंगे।
4. वैदिकवाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: श्रेयांक– 5 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)	**Min. Passing Marks: 10+30= 40**

Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic- वेद से निम्नलिखित सूक्त–	No. of Lectures
Unit I	इन्द्र– 2/12, सूर्य– 1/115, अग्नि– 1/143	15
Unit II	उषस्– 3/61, वाक् सूक्त– 10/125	12
Unit III	नासदीय– 10/129, हिरण्यगर्भ– 10/121 विश्वामित्र– नदी संवाद–3/33	12
Unit IV	यजुर्वेद– योगक्षेम– 22/22, अथर्ववेद– राष्ट्राभिवर्धन– 1/29	14
Unit V	वैदिक साहित्य का इतिहास	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1. द न्यू वैदिक सलेक्शनभाग– 01 तथा भाग–02– सम्पादक– ब्रजबिहारी चौबे (तैलंग एवं चौबे)
2. ऋक्सूक्त संग्रह– डॉ0 हरिदत्त शास्त्री एवं डॉ0 कृष्णकुमार– प्रकाशन– साहित्य भण्डार सुभाष बाजार मेरठ– 250002
3- Hymns of the Rigvdea- Peterson
4. वैदिक साहित्य का इतिहास– प्रो0 राममूर्ति शर्मा
5. वैदिक साहित्य का इतिहास– गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर एवं पं0 राजेश्वर (राजू) केशवशास्त्री मुसलगाँवकर प्रकाशन– चौखम्बा संस्कृत, वाराणसी
6. वैदिक साहित्य का इतिहास– कर्णसिंह
7. वैदिक साहित्य का इतिहास– वाचस्पति गैरोला
8. ऋक् सूक्त मंजूषा– प्रो0 महावीर अग्रवाल, सत्यं प्रकाशन, नई दिल्ली

अंक विभाजनः–

1.	किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या	20 अंक
2.	किसी एक संहिता का पदपाठ	05 अंक
3.	मंत्र के देवता अथवा सूक्त की विशेषता पर दो प्रश्न	20 अंक
4.	वैदिकसाहित्य से सम्बन्धित दो लघूत्तरीय प्रश्न	10 अंक
5.	वैदिकसाहित्य से सम्बन्धित दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	20 अंक

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

MASTER IN ARTS- PG		
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*	**Year: IV**	**Semester: VII** **Paper- II**
Subject: Sanskrit		
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध– द्वितीय प्रश्नपत्र– 1/2 व्याकरण, पाली एवं प्राकृत**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. व्याकरण अध्ययन से विद्यार्थी उच्चारण कौशल में निपुण होंगे।
2. संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित होंगे।
3. कारक एवं समास का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुपयोग का कौशल विकसित होगा।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: श्रेयांक– 5 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)	**Min. Passing Marks: 10+30= 40**

Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदीकारक प्रकरण– कर्त्ता, कर्म एवं करण।	15
Unit II	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदीकारक प्रकरण– सम्प्रदान, अपादान, सम्बन्ध एवं अधिकरण।	12
Unit III	समास प्रकरण– लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर।	12
Unit VI	धम्मपद– दशवग्गपर्यनत।	14
Unit V	प्राकृत भाषा परिचय।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1. सिद्धान्त कौमुदी– भट्टोजिदीक्षित, व्याख्याकार– श्री गोपालदत्त पाण्डेय।
2. एम0 ए0 संस्कृत व्याकरण– श्रीनिवास शास्त्री।
3. धम्मपद– सम्पादक, कन्छेदीलाल गुप्त।
4. पालि साहित्य का इतिहास– डॉ0 भरतसिंह उपाध्याय।
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्रीधरानन्द शास्त्री।
6. तिङन्त प्रकरणम्– डॉ0 लज्जा भट्ट।
7. अभिनव प्राकृत प्रकाश– नेमिचन्द्र शास्त्री।
8. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।

अंकविभाजन–

किन्हीं तीन सूत्रों की व्याख्या	15 अंक
किन्हीं तीन प्रयोगों की सूत्र निर्देश पूर्वक सिद्धि	15 अंक
किन्हीं तीन समास प्रयोगों की सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि	15 अंक
(क) धम्मपद से एक गाथा का अनुवाद (ख) एक गाथा की संस्कृत छाया	(क) 10 अंक (ख) 05 अंक
पालि एवं प्राकृत से तीन लघूत्तरीय प्रश्न	15 अंक

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

MASTER IN ARTS- PG		
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*	**Year: IV**	**Semester: VII** **Paper- III**
Subject: Sanskrit		
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध– तृतीय प्रश्नपत्र– 1/3 सांख्य एवं न्यायदर्शन**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. भारतीय दार्शनिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
2. सांख्य दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों को जानकर प्रमेय पदार्थों से परिचित होंगे।
3. न्यायशास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे।
4. न्यायदर्शन से प्राचीन एवं आधुनिक न्याय व्यवस्था से परिचित होंगे।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: श्रेयांक– 5 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)	**Min. Passing Marks: 10+30= 40**

Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	सांख्यकारिका– ईश्वर कृष्ण कृत (1 से 30 वीं कारिका पर्यन्त)	15
Unit II	सांख्यकारिका– ईश्वर कृष्ण कृत (31–समाप्ति पर्यन्त)	20
Unit III	तर्कभाषा– प्रारम्भ से अनुमान पर्यन्त।	12
Unit VI	तर्कभाषा– उपमान से शब्द प्रमाण पर्यन्त।	10
Unit V	उपर्युक्त से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न।	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1. सांख्यकारिका– ढुण्ढिराज शास्त्री
2. सांख्यकारिका– डॉ0 रमाशंकर तिवारी
3. सांख्यकारिका– जगन्नाथ शास्त्री
4. सांख्यकारिका– डॉ0 रामकृष्ण आचार्य
5. तर्कभाषा– आचार्य विश्वेश्वर पाण्डे
6. तर्कभाषा– श्रीनिवास शास्त्री
7. तर्कभाषा– आचार्य बद्रीनाथ शुक्ल
8. भारतीय दर्शन– उमेश मिश्र
9. Indian Philosophy– Das Gupta

अंक विभाजनः–

सांख्यकारिका से दो कारिकाओं की व्याख्या– 30 कारिका तक	2X7.5= 15 अंक
सांख्यकारिका से दो कारिकाओं की व्याख्या– 31 कारिका से समाप्ति पर्यन्त	2X7.5= 15 अंक
तर्कभाषा से दो व्याख्याएँ– प्रारम्भ से अनुमान पर्यन्त	2X7.5= 15 अंक
तर्कभाषा से दो व्याख्याएँ– शब्द एवं उपमान प्रमाण पर्यन्त।	2X7.5= 15 अंक
(क) सांख्यकारिका से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (ख) तर्कभाषा से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	(क) 1X7.5 (ख) 1X7.5

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

MASTER IN ARTS- PG			
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*		**Year: IV**	**Semester: VII** **Paper- IV**
Subject: Sanskrit			
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध– चतुर्थ प्रश्नपत्र– 1/4 संस्कृतरूपक एवं रूपककार** **श्रेयांक– 5 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)**		
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. सस्कृत रूपक एवं साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर रूपकों के भेदों से सुपरिचित हो सकेंगे। 2. रूपक साहित्य एवं साहित्यकारों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष को समझ पायेंगे। 3. रूपक साहित्य के ज्ञान से कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।			
Credits:5		**Core Compulsory**	
Max. Marks:श्रेयांक– 5 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)		**Min. Passing Marks: 10+30= 40**	
Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0			

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	उत्तररामचरितम्– भवभूति अंक 01 एवं 02 तक।	15
Unit II	उत्तररामचरितम्– भवभूति अंक 03 एवं 04 तक।	12
Unit III	रत्नावली– हर्षदेवकृत।	12
Unit IV	सम्बन्धित ग्रन्थों का नाट्यशास्त्रीय अध्ययन।	14
Unit V	संस्कृत रूपककार परिचय– निम्नांकित के संदर्भ में– भास, कालिदास, हर्ष, भवभूति, शूद्रक, विशाखदत्त, भट्ट नारायण।	12
	Class Room Lectures	65
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10
		Total- 75

Suggested Reading:

1. उत्तररामचरितम्– कपिलदेव द्विवेदी
2. उत्तररामचरितम्– कृष्णकान्त शुक्ल एवं ब्रह्मानन्द शुक्ल
3. उत्तररामचरितम् की शास्त्रीय समीक्षा– डॉ0 सत्यनारायण चौधरी
4. भवभूति एवं उनकी नाट्यकला– अयोध्याप्रसाद सिंह
5. संस्कृत सुकवि समीक्षा– बलदेव उपाध्याय
6. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास– कपिलदेव द्विवेदी
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास– बलदेव उपाध्याय
8. संस्कृत काव्यकार– हरिदत्त शास्त्री
9. रत्नावली– हर्षदेवकृत– व्याख्याकार एवं सम्पादक डॉ0 शिवप्रसाद शास्त्री, मेरठ साहित्य भण्डार 1994

अंक विभाजनः–

उत्तररामचरितम् से दो श्लोकों की व्याख्या	2 X7.5= 15 अंक
उत्तररामचरितम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1X15= 15 अंक
रत्नावली से दो व्याख्याऐं	2X7.5= 15 अंक
रत्नावली से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1X15= 15 अंक
संस्कृत रूपककारों से सम्बन्धित दो लघूत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी	15 अंक

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

माइनर पाठ्यक्रम (इलेक्टिव कोर्स)

MASTER IN ARTS- PG			
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*		**Year: IV**	**Semester: VII** **Paper- I**
Subject: Sanskrit			
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध– पंचम प्रश्नपत्र– 1/5 संस्कृतभाषा–व्यावहारिक संस्कृत**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. संस्कृतभाषा के संप्रत्यय को समझ सकेंगे।
2. संस्कृतभाषा की वैज्ञानिकता से सुपरिचित होंगे।
3. संस्कृतभाषा के विभिन्न रूपों से सुपरिचित होंगे।
4. संस्कृतभाषा के माध्यम से विद्यार्थियों में वाक्क्षमता का विकास होंगा।
5. संस्कृतभाषा में निहित वाङ्मय के अध्ययन से नैतिकमूल्यों, आध्यात्मिकमूल्यों एवं राष्ट्रीयमूल्यों से अपने जीवन का लक्ष्य पूर्ण करने में समर्थ होगें।

Credits: 4	**Minor/ Elective Paper**
Max. Marks: श्रेयांक– 4 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)	**Min. Passing Marks: 10+30= 40**

Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	संज्ञाप्रकरण– वर्ण स्वर, मात्रा, बल, एवं साम परिचय।	10
Unit II	सुबन्तप्रकरण– अजन्त पुलिंगशब्द– राम, हरि, स्त्रीलिंगशब्द– रमा, सखी, नपुंलिंगशब्द– ज्ञान, सर्व शब्द की रूपसिद्धि।	10
Unit III	तिङन्तप्रकरण– लट्, लङ्, लिङ्, लृट् एवं लोट् पॉच लकारों में पठ् धातु की सिद्धि प्रकिया।	10
Unit IV	समास– अव्ययीभाव, तत्पुरुष, बहुव्रीहि एवं द्वन्द्व समास का सोदाहरण परिचय।	10
Unit V	व्यावहारिक वाक्यों का संस्कृतरूप एवं संस्कृत सम्भाषण।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	50 10 Total- 60

Suggested Reading:

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्रीवरदराज चौखम्भा संस्कृत संस्थान
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी व्याख्याकार– श्रीधरानन्द शास्त्री
3. रचनानुवादकौमुदी– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
4. संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका– डॉ0 बाबुराम सक्सेना
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी डॉ0 कुशवाहा
6. संस्कृत भाषा– डॉ0 भवानी दत्त काण्डपाल, डॉ0 हेमवन्ती नन्दन पनेरु एवं डॉ0 हेमन्त जोशी अंकित प्रकाशन हल्द्वानी
7. संस्कृसम्भाषण– संस्कृतभारती, प्रकाशन बैंग्लूर

अंक विभाजन :–

वर्ण स्वर, मात्रा, बल, एवं साम में से किन्हीं दो का सोदाहरण परिचय	15 अंक
अजन्त पुलिंगशब्द– राम, हरि, स्त्रीलिंगशब्द– रमा, सखी, नपुंलिंगशब्द– ज्ञान, सर्व शब्द की रूपसिद्धि में किसी एक शब्द रूप की एक विभक्ति एवं तीनों वचनों में रूपसिद्धि	15 अंक
पठ् धातु की लट्, लङ्, लिङ्, लृट् एवं लोट् लकारों में से किसी एक लकार के एक पुरूष की तीनों वचनों में सिद्धि प्रक्रिया	15 अंक
अव्ययीभाव, तत्पुरुष, बहुव्रीहि एवं द्वन्द्व समास में से किसी एक समास का सोदाहरण परिचय	15 अंक
व्यावहारिक 15 वाक्यों का संस्कृतरूप	15 अंक

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अथवा

MASTER IN ARTS- PG			
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*		**Year: IV**	**Semester: VII** **Paper- I**
Subject: Sanskrit			
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध– पंचम प्रश्नपत्र– 1/5 अथर्ववेद एवं आयुर्वेद चिकित्सा**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. अथर्ववेदीय चिकित्सा से सुपरिचित होंगे।
2. अथर्ववेद में वर्णित औषधियों का ज्ञान प्राप्त होगे।
3. चिकित्सा एवं वनस्पतिशास्त्र के माध्यम से सह–अध्ययन संदृष्टि का विकास होगा।
4. आयुर्वेद साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त होगा।
5. आयुर्वेदीय अष्टांग चिकित्सा से सुपरिचित होंगे।

Credits: 4	**Minor/ Elective Paper**
Max. Marks: श्रेयांक– 4 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)	**Min. Passing Marks: 10+30= 40**

Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	अथर्ववेद का सामान्य परिचय एवं अथर्ववेद में चिकित्सा।	10
Unit II	अथर्ववेद में औषधिविज्ञान।	10
Unit III	आयुर्वेद का सामान्य परिचय एवं महत्त्व।	10
Unit IV	आयुर्वेद में अष्टांग चिकित्सा परिचय एवं उपयोगिता।	10
Unit V	अथर्ववेद एवं आयुर्वेद में पथ्यापथ्य विमर्श–एक अध्ययन।	10
	Class Room Lectures	50
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10
		Total- 60

Suggested Reading:

1. अथर्ववेद में चिकित्सा एवम् ओषधि–विज्ञान– डॉ0 शलिनी शुक्ला, अक्षयवट प्रकाशन, प्रयागराज।
2. अथर्ववेद का सुबोधभाष्य– श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मण्डल पारडी, गुजरात।
3. आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास– आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्बा ओरण्टलिया, वाराणसी।
4. आयुर्वेद का प्रारम्भिक इतिहास– प्रो0 वनवारी लाल गौड़, राम आयुर्वेद संस्कृत बुक प्रतिष्ठान, दिल्ली।
5. द्रव्यगुण विज्ञान– आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्बा सुरभारती अकादमी, वाराणसी।
6. अथर्ववेदीय सायणभाष्यगत निर्वचन–विमर्श– डॉ0 राजेश्वर प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, प्रयागराज।
7. आयुर्वेद परिभाषा कोश– वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, भारत सरकार।

अंक विभाजन :–

अथर्ववेद का सामान्य परिचय एवं अथर्ववेद में चिकित्सा का महत्त्व	15 अंक
अथर्ववेद में औषधिविज्ञान परिचय एवं महत्त्व	15 अंक
आयुर्वेद का सामान्य परिचय एवं आयुर्वेद की विशेषताएँ	15 अंक
आयुर्वेद में अष्टांग चिकित्सा एक परिचय एवं महत्त्व	15 अंक
अथर्वद एवं आयुर्वेद में पथ्यापथ्य विमश–एक परिचय	15 अंक

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अथवा

MASTER IN ARTS- PG			
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*		**Year: IV**	**Semester: VII** **Paper- I**
Subject: Sanskrit			
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध– पंचम– प्रश्नपत्र– 1/5 योग दर्शन**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी पतञ्जलियोगसूत्र से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी योग के महत्त्व को समझ कर समाज में उसका उपयोग कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी योगसनों का परिचय प्राप्त कर स्वस्थ्य लाभ कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी योगसन–शिविर संचालन कर जीविकोपार्जन कर सकेंगे।

Credits: 4	**Minor/ Elective Paper**
Max. Marks: श्रेयांक– 4 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)	**Min. Passing Marks: 10+30= 40**

Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	योगदर्शन का उद्भव एवं विकास।	10
Unit II	योगदर्शन के ग्रन्थ एवं आचार्य।	10
Unit III	पातञ्जलयोगसूत्र का सामान्य परिचय।	10
Unit IV	योगदर्शन के प्रमुख सिद्धान्त और योगासन।	10
Unit V	योगदर्शन की साम्प्रतिकी महत्ता एवं प्रासंगिकता।	10
	Class Room Lectures	50
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10
		Total- 60

Suggested Reading:

1. पातञ्जलयोगदर्शन– पतञ्जलि कृत योगसूत्र, व्यासभाष्य, वाचस्पति मिश्र एवं विज्ञान भिक्षु कृत योगवार्तिक सहित, सम्पादक नारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी–1981।
2. योगदर्शन– हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस गोरखपुर।
3. येाग एवं मानसिक स्वास्थ्य– पी0डी0 मिश्र, रॉयल बुक कम्पनी, लखनऊ।
4. पातञ्जलयोगसूत्र–व्यासभाष्य सहितम्– प्रो0 सूरेश चन्द्र श्रीवास्तव।
5. पातञ्योगप्रदीप– गीता प्रेस, गोरखपुर।
6. घेरड़ संहिता (द्वितीयोपदेशः–आसनप्रकरणम्) घेरण्ड मुनि, भाष्यकार स्वामी जी महाराज, पीताम्बरा पीठ दतिया, मध्य प्रदेश।

अंक विभाजन :–

योगदर्शन का उद्भव एवं विकास	15 अंक
योगदर्शन के ग्रन्थ एवं आचार्य परिचय	15 अंक
पातञ्जलयोगसूत्र का सामान्य परिचय	10 अंक
योगदर्शन के प्रमुख सिद्धान्त और योगासन परिचय	20 अंक
योगदर्शन की साम्प्रतिकी महत्ता एवं प्रासंगिकता	15 अंक

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

MASTER IN ARTS- PG		
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*	**Year: IV**	**Semester: VII Project**
Subject: Sanskrit		
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध– षष्ठ प्रश्नपत्र– संस्कृत कथासाहित्य का सामान्य अध्ययन 1/6 शोधपरियोजना एवं मौखिक परीक्षा**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

संस्कृतवाङ्मय भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के दस्तावेज के रूप में उपलब्ध है। इसमें वेद, व्याकरण, भाषाशास्त्र, दर्शनशास्त्र, काव्यशास्त्र विषयक अनेक विमर्शात्मक एवं विश्लेषणात्मक पद्धतियाँ हैं जिनका सम्बन्ध मानवीय जीवन शैली एवं व्यक्तित्व विकास से है। भारतीय ज्ञान परम्परा एवं सांस्कृतिक विरासत से विद्यार्थियों को अवगत कराने हेतु संस्कृत कथा साहित्य का सामान्य अध्ययन समीचीन है।

Credits: 4	**Project**
Max. Marks: 25 (Internel) + 75 (External)= 100	**Min. Passing Marks: 10+30= 40**

Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	शोधकार्य की भूमिका, उद्देश्य, महत्त्व, शोधसर्वेक्षण एवं शोधप्रविधि की उपादेयता।	20
Unit II	संस्कृतवाङ्मय का परिचय।	20
Unit III	संस्कृत कथासाहित्य में पूर्व में किये गये शोधकार्यों का सर्वेक्षण एवं शोधप्रविधि के अनुसार शोधकार्य ।	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion, Presentation etc	Total- 60

Suggested Reading:

संस्कृत कथासाहित्य का सामान्य अध्ययन– संस्तुत पुस्तकें–

1. कादम्बरी।
2. भोजप्रबन्ध।
3. कथासरित्सागर।
4. कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन– वासुदेव शरण अग्रवाल– चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी।
5. संस्कृत कथासाहित्य का अध्ययन– श्यामा भटनागर– जयपुर पब्लिकेशन स्कीम।
6. अभिनव कथा निकुंज (संस्कृत कथा संग्रह)– शिवदत्त शर्मा– वाराणसी भारतीय विद्या प्रकाशन।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

MASTER IN ARTS- PG		
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*	**Year: IV**	**Semester: VIII Paper-V**
Subject: Sanskrit		
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर द्वितीय सत्रार्द्ध– प्रथम प्रश्नपत्र– 2/1 वेदांग (निरुक्त, ऋक्प्रातिशाख्य एवं पाणिनीय शिक्षा)**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. शिक्षा एवं व्याकरण शास्त्रों के पारिभाषिक पदों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. व्याकरण ग्रन्थों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
3. शिक्षा का वेदाङ्ग में स्थान एवं वेदों में उपयोगिता को जान सकेंगे।
4. पाणिनीय–शिक्षा का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
5. वर्णोच्चारण विधि में उच्चारण सम्बन्धी दोष एवं गुण का महत्व की जानकारी ले सकेंगे।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: श्रेयांक– 5 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)	**Min. Passing Marks: 10+30= 40**

Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	निरुक्त– यास्क (प्रथम अध्याय) 1–3 पाद	15
Unit II	निरुक्त– यास्क (प्रथम अध्याय) 4–6 पाद	12
Unit III	ऋक्प्रातिशाख्य–परिभाषाएँ– समानाक्षर, सन्ध्यक्षर, अघोष, सोष्म, स्वरभक्ति, यम, रक्त, संयोग, प्रगृह्य एवं रिफित	12
Unit IV	पाणिनीय शिक्षा– 1–30 कारिकाएँ	14
Unit V	पाणिनीय शिक्षा– 31 से समाप्ति पर्यन्त	12
	Class Room Lectures	65
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10
		Total- 75

Suggested Reading:

1. हिन्दी निरुक्त– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
2. हिन्दी निरुक्त– छज्जूराम शास्त्री
3. पाणिनीय शिक्षा– रुद्रप्रसाद अवस्थी
4. पाणिनीय शिक्षा– प्रो0 श्रीनारायण मिश्र
5. वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
6. यास्ककृत निरुक्त– सम्पादक– उमाशंकर ऋषि
7. ऋग्वेदप्रातिशाख्यम्– प्रो0 वीरेन्द्र कुमार वर्मा
8. ऋग्वेदप्रातिशाख्यम्– प्रो0 वी0वी0 चौबे

अंक विभाजन :–

निरुक्त से दो सूत्रों की व्याख्या एवं एक पद का निर्वचन	15 अंक
(क) निरुक्त से समीक्षात्मक प्रश्न (ख) निरुक्त से एक टिप्पणी	1X10=10 अंक 1X5 = 05 अंक
ऋक्प्रातिशाख्य में से किन्हीं तीन की परिभाषाएँ	3X5 =15 अंक
पाणिनीय शिक्षा से दो व्याख्या	15 अंक
(क) पाणिनीय शिक्षा से एक समीक्षात्मक प्रश्न (ख) पाणिनीय शिक्षा से एक टिप्पणी	1X10 = 10 अंक 1X5 = 05 अंक

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

MASTER IN ARTS- PG			
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*		**Year: IV**	**Semester: VIII** **Paper- VI**
Subject: Sanskrit			
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर द्वितीय सत्रार्द्ध– द्वितीय प्रश्नपत्र– 2/2 व्याकरणदर्शन एवं भाषाविज्ञान**		
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. वाक्यपदीय में भर्तृहरि के भाषा (वाच्) की प्रकृति और उसका वाह्य जगत से सम्बन्ध की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। 2. वाक्यपदीय में दार्शनिक रीतियों के विषयों जैसे–जाति, द्रव्य, काल आदि से सुपरिचित होंगे। 3. भाषाविज्ञान के स्वरूप, उद्गम एवं विकास से सुपरिचित होगे। 4. ध्वनि विज्ञान, वाक्यविज्ञान एवं अर्थविज्ञान की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।			
Credits: 5		**Core Compulsory**	
Max. Marks: श्रेयांक– 5 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)		**Min. Passing Marks: 10+30= 40**	
Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	**Topic**		**No. of Lectures**
Unit I	वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि, 1–40 कारिकाएँ		15
Unit II	वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि, 41–80 कारिकाएँ		12
Unit III	भाषाविज्ञान की परिभाषा, स्वरूप, उद्गम एवं विकास		12
Unit IV	ध्वनि विज्ञान एवं वाक्यविज्ञान		14
Unit V	अर्थविज्ञान एवं ध्वनि नियम		12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc		65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1. वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि
2. अभिनव प्राकृत प्रकाश– नेमिचन्द्र शास्त्री
3. संस्कृत भाषा विज्ञान– राजकिशोर सिंह
4. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
5. भाषा विज्ञान– डॉ0 भोलानाथ तिवारी– इलाहाबाद किताब महल
6. भाषा विज्ञान– डॉ0 कर्णसिंह– साहित्य भण्डार सुभाष बाजार मेरठ

अंक विभाजन :–

वाक्यपदीयम् से दो व्याख्याएँ	20 अंक
वाक्यपदीयम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
वाक्यपदीयम् से दो टिप्पणी	10 अंक
भाषा विज्ञान पर दो समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
भाषा विज्ञान से दो टिप्पणियां	15 अंक

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

MASTER IN ARTS- PG		
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*	**Year: IV**	**Semester: VIII** **Paper- VII**
Subject: Sanskrit		
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर द्वितीय सत्रार्द्ध– तृतीय प्रश्नपत्र– 2/3 वेदान्तसार एवं दर्शनशास्त्र का इतिहास**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी वेद–वेदांग आदि सभी शास्त्रों से सुपरिचित होगे।
2. वेदान्त दर्शन का ऐतिहासिक स्वरूप से सुपरिचित होंगे।
3. दर्शनशास्त्र के इतिहास के माध्यम से सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा एवं वेदान्त से सुपरिचित होंगे।
4. दर्शनशास्त्र के आधार पर आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन से सुपरिचित होंगे।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: श्रेयांक– 5 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)	**Min. Passing Marks: 10+30= 40**

Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	वेदान्तसार– सदानन्द, प्रारम्भ से पंचीकरण प्रक्रिया।	15
Unit II	दर्शनशास्त्र का इतिहास– सांख्य एवं योग।	12
Unit III	दर्शनशास्त्र का इतिहास– न्याय एवं वैशेषिक।	12
Unit IV	दर्शनशास्त्र का इतिहास– मीमांसा एवं वेदान्त।	14
Unit V	दर्शनशास्त्र का इतिहास– चार्वाक, बौद्ध एवं जैन (नास्तिक) दर्शन।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1. वेदान्तसार– रामशरण त्रिपाठी।
2. वेदान्तसार– राममूर्ति शर्मा।
3. वेदान्तसार– महेशचन्द्र भारतीय।
4. भारतीय दर्शन– बलदेव उपाध्याय।
5. भारतीय दर्शन– उमेश मिश्र।
6. भारतीय दर्शन– दत्त एवं चटर्जी।
7. Indian Philosophy- Das Gupta

अंक विभाजन :–

वेदान्तसार से दो व्याख्या–	25 अंक
वेदान्तसार से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
आस्तिक दर्शन से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
नास्तिक दर्शन से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
उक्त पठित ग्रन्थों से तीन टिप्पणी	15 अंक

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

MASTER IN ARTS- PG			
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*		**Year: IV**	**Semester: VIII** **Paper- VIII**
Subject: Sanskrit			
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर द्वितीय सत्रार्द्ध– चतुर्थ प्रश्नपत्र– 2/4 काव्य एवं भारतीय संस्कृति**		
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. कालिदासकृत मेघदूत में प्रकृति चित्रण से सुपरिचित होंगे। 2. कवि परम्परा में कालिदास के महत्त्व से सुपरिचित हो सकेंगे। 3. श्रीहर्ष के जीवनवृत्त एवं परिचय को जान सकेंगे। 4. नल एवं दमयन्ती का एक दूसरे के गुणों से सुपरिचित होंगे। 5. भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताओं से सुपरिचित होंगे। 6. भारतीय संस्कृति में वर्णित वर्णाश्रम व्यवस्था, पंच महायज्ञ, प्राचीन भारतीय स्थापत्यकला, शिल्प एवं अभिलेख से सुपरिचित होंगे।			
Credits: 5		**Core Compulsory**	
Max. Marks: श्रेयांक– 5 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)		**Min. Passing Marks: 10+30= 40**	
Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	**Topic**		**No. of Lectures**
Unit I	मेघदूतम्– कालिदासकृत (पूर्वमेघ) 1–30 श्लोक		15
Unit II	मेघदूतम्– कालिदासकृत (पूर्वमेघ) 31 श्लोक से पूर्वमेघ समाप्ति पर्यन्त एवं उत्तरमेघ का सारांश		12
Unit III	नैषधीयचरितम्– श्रीहर्षप्रणीत (प्रथम सर्ग) 1–30 श्लोक तक		12
Unit IV	नैषधीयचरितम्– श्रीहर्षप्रणीत (प्रथम सर्ग) 31–60 श्लोक तक		14
Unit V	भारतीय संस्कृति से निम्नलिखित अंश– भारतीयसंस्कृति की मुख्य विशेषताएं, वर्णाश्रम व्यवस्था, संस्कार, पंच महायज्ञ, प्राचीनभारतीय स्थापत्यकला, शिल्प एवं अभिलेख।		12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc		65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1. मेघदूतम्– संसार चन्द्र
2. मेघदूतम्– डॉ0 शिवराज शास्त्री
3. मेघदूतम्– वैद्यनाथ झा
4. नैषधीयमहाकाव्यम्– हरगोविन्द शास्त्री
5. नैषधमहाकाव्य– डॉ0 शिवराज शास्त्री
6. नैषधपरिशीलन– चण्डिका प्रसाद शुक्ल
7. भारतीय संस्कृति का इतिहास– डॉ0 सत्यकेतु विद्यालंकार
8. भारतीय संस्कृति– नरेन्द्रदेव शास्त्री
9. भारतीय संस्कृति के आधारतत्व– कृष्णकुमार

10. हमारी प्राचीन संस्कृति– डॉ0 सत्यप्रकाश शास्त्री

अंक विभाजन :–

मेघदूतम् पूर्वमेघ से दो व्याख्याएँ	15 अंक
मेघदूतम् पूर्वमेघ से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
नैषधीयचरितम् से दो व्याख्याएँ	15 अंक
नैषधीयचरितम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
भारतीय संस्कृति से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न एवं दो टिप्पणी	10+15= 25 अंक

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

MASTER IN ARTS- PG		
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*	**Year: IV**	**Semester: VIII Project**
Subject: Sanskrit		
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर द्वितीय सत्रार्द्ध– पंचम प्रश्नपत्र– संस्कृत साहित्य एवं पर्यावरण विज्ञान 2/5 शोधपरियोजना एवं मौखिकी परीक्षा**	
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि वैदिक वाङ्मय से लेकर लौकिक साहित्य तक प्रकृति प्रेम की उदात्त भावना परिलसित होती है। प्रकृति प्रेम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से सिंचित प्रेम के दृष्टिबोध द्वारा वर्तमान समय की ज्वलन्त समस्याओं–जलवायु परिवर्तन, समय–समय पर आ रही प्राकृतिक आपदाओं आदि का समाधान ढूढ़ने की राह आसान होगी।		
Credits: 4	**Project**	
Max. Marks: श्रेयांक– 4 (पूर्णांकः 100– 50 अंक बाह्य परीक्षक द्वारा/ 50 अंक आन्तरिक परीक्षक द्वारा)	**Min. Passing Marks: 10+30= 40**	
Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0		

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	संस्कृतवाङ्मय का परिचय।	20
Unit II	पर्यावरण परिचय।	20
Unit III	संस्कृत साहित्य में पर्यावरण में पूर्व में किये गये शोधकार्यों का सर्वेक्षण एवं शोधप्रविधि के अनुसार शोधकार्य ।	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion, Presentation etc	Total- 60

संस्कृत साहित्य और पर्यावरण विज्ञान– संस्तुत पुस्तकें–

1. ऋग्वेद संहिता– वेद प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
2. संस्कृत साहित्य में पर्यावरण विज्ञान– कपिलदेव द्विवेदी– चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी ।
3. अथर्ववेद– विश्वेश्वरानन्द वैदिक संस्थान– होशियारपुर।
4. कालिदास ग्रन्थावली– चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी ।
5. प्राचीन भारत में पर्यावरण चिन्तन– वन्दना रस्तोगी।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

MASTER IN ARTS- PG			
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*		**Year: V**	**Semester: IX** **Paper- IX**
Subject: Sanskrit			
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध– प्रथम प्रश्नपत्र– 3/1 व्याकरण– महाभाष्य, सिद्धिप्रक्रिया एवं सूत्र व्याख्या**		
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. महाभाष्य व्याकरणिक अवधारणा को जान पायेंगे। 2. लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर धातु प्रक्रिया के विषय से परिचित होंगे। 3. लघुसिद्धान्तकौमुदी के माध्यम से आत्मनेपद एवं परस्मैपद से सुपरिचित होंगे।			
Credits: 5		**Core Compulsory**	
Max. Marks: श्रेयांक– 5 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)		**Min. Passing Marks: 10+30= 40**	
Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0			

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	महाभाष्य– प्रथमाह्निक व्याकरणप्रयोजन तक।	15
Unit II	महाभाष्य– प्रथमाह्निक– समाप्ति पर्यन्त।	12
Unit III	लघुसिद्धान्तकौमुदी– भू धातु प्रक्रिया (लट्, लिङ्, लृट्, लोट् और लङ्)।	12
Unit IV	लघुसिद्धान्तकौमुदी– एध् धातु प्रक्रिया (लट्, लिङ्, लृट्, लोट् और लङ्)।	14
Unit V	लघुसिद्धान्तकौमुदी– आत्मनेपद एवं परस्मैपद सूत्र व्याख्या।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1. महाभाष्य– पं0 चारुदेव शास्त्री,
2. महाभाष्य–प्रदीपोद्योतटीका सहित– वेदव्रत
3. सिद्धान्तकौमुदी–तत्त्वबोधिनी– पं0 गिरधर शर्मा चतुर्वेदी
4. तिङन्त प्रकरणम्– डॉ0 लज्जा भट्ट
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्रीवरदराजकृत, व्याख्याकार श्रीधरानन्दशास्त्री।

अंक विभाजन :–

व्याकरण महाभाष्य से दो व्याख्याएँ	15 अंक
व्याकरण महाभाष्य से सम्बन्धित एक प्रश्न	10 अंक
लघुसिद्धान्तकौमुदी से चार भू और एध् धातु की (सूत्र निर्देश पूर्वक) प्रयोग सिद्धि	20 अंक
एक काव्यशास्त्रीय संस्कृतनिबन्ध	15अंक
एक सामान्यविषयक संस्कृतनिबन्ध	15 अंक

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

MASTER IN ARTS- PG			
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*		**Year: V**	**Semester: IX** **Paper- X**
Subject: Sanskrit			
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध– द्वितीय प्रश्नपत्र– 3/2 गद्य एवं ऐतिहासिक काव्य**		
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. संस्कृत गद्यकाव्य की परम्परा से सुपरिचित होंगे। 2. गद्यकाव्य के भेद एवं प्रकार के विषय में अध्ययन कर सकेंगे। 3. गद्यकाव्य का उद्भव एवं उत्कर्ष के विषय से सुपरिचित होंगे।			
Credits: 5		**Core Compulsory**	
Max. Marks: श्रेयांक– 5 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)		**Min. Passing Marks: 10+30= 40**	
Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0			

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	कादम्बरी– बाणभट्ट, उज्जयिनी वर्णन से **(सूतिकागृह को छोड़कर)** कुमारवर्णन पर्यन्त।	15
Unit II	कादम्बरी– बाणभट्ट, इन्द्रायुध वर्णन से राजकुल वर्णन पर्यन्त।	12
Unit III	विक्रमांकदेवचरितम्– महाकवि विल्हण (प्रथम सर्ग) प्रारम्भ से 50 श्लोक तक।	12
Unit IV	विक्रमांकदेवचरितम्– महाकवि विल्हण (प्रथम सर्ग) 51 श्लोक से सर्गान्त पर्यन्त।	14
Unit V	उभयग्रन्थों से समीक्षात्मक प्रश्न।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1. कादम्बरी– श्रीनिवास मिश्र
2. कादम्बरी– कृष्णमोहन शास्त्री
3. कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन– वासुदेवशरण अग्रवाल
4. विक्रमांकदेवचरितम्– बी0एस0 मुरारीलाल नागर
5. विक्रमांकदेवचरितम्– विश्वनाथशास्त्री भारद्वाज
6. विक्रमांकदेवचरितम्– हरगोविन्द शास्त्री

अंक विभाजन :–

कादम्बरी से दो व्याख्याएँ	15 अंक
कादम्बरी से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
विक्रमांकदेवचरितम् से दो व्याख्याएँ	15 अंक
विक्रमांकदेवचरितम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
उपर्युक्त पाठ्य ग्रन्थों से दो टिप्पणी	15 अंक

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

MASTER IN ARTS- PG		
Programme: ***Master In Faculty Arts- Sanskrit***	**Year: V**	**Semester: IX** **Paper- XI**

Subject: Sanskrit

Course Code: | **Course Title: स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध– तृतीय प्रश्नपत्र– 3/3 काव्यशास्त्र**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. काव्यशास्त्र के स्वरूप एवं लक्षण से सुपरिचित होंगे।
2. काव्यशास्त्र की अवधारणा का ज्ञान हो सकेगा।
3. काव्यशास्त्र में काव्यसौन्दर्य के आधायक जिन गुण, रीति, अलंकार, ध्वनि आदि तत्त्वों से सुपरिचित होंगे।
4. काव्यशास्त्र की परम्परा से अवगत हो सकेंगे।
5. विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्‌भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्त्वों को समझने में सक्षम होंगे।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: श्रेयांक– 5 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)	**Min. Passing Marks: 10+30= 40**

Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	काव्यशास्त्र का प्रादुर्भाव, काव्यशास्त्र के आचार्य एवं सम्प्रदाय परिचय।	15
Unit II	ध्वन्यालोक– आनन्दवर्धन प्रणीत (प्रथम उद्योत) 1–8 कारिका पर्यन्त।	12
Unit III	ध्वन्यालोक– आनन्दवर्धन प्रणीत (प्रथम उद्योत) 9–19 कारिका पर्यन्त।	12
Unit IV	वक्रोक्तिजीवितम्– कुन्तक प्रणीत, प्रथमोन्मेष– 21 वीं कारिका पर्यन्त।	14
Unit V	काव्यालंकार सूत्राणि– प्रथम अधिकरण।	12
	Class Room Lectures	65
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10
		Total- 75

Suggested Reading:

1. काव्यालंकार सूत्राणि– हरगोविन्द शास्त्री
2. काव्यालंकार सूत्रवृत्ति– डॉ0 बेचन झा
3. वक्रोक्ति जीवितम्– राधेश्याम मिश्र
4. वक्रोक्ति जीवितम्– परमेश्वर दीन मिश्र
5. अलंकारशास्त्र में आचार्य कुन्तक की देन– डॉ0 हेना आत्मनाथन
6. ध्वन्यालोक– आचार्य विश्वेश्वर
7. ध्वन्यालोक– जगन्नाथ पाठक
8. ध्वन्यालोक– रामसागर त्रिपाठी
9. भामह और वामन के काव्यसिद्धान्त – रमण कुमार शर्मा
10. भारतीय साहित्यशास्त्र– आचार्य बलदेव उपाध्याय
11. भारतीय काव्यशास्त्र मीमांसा– डॉ0 हरिनारायण दीक्षित एवं डॉ0 किरण टण्डन

अंक विभाजन :–

ध्वन्यालोक से दो कारिकाओं की व्याख्या	15 अंक
इकाई 1 एवं 2 से आलोचनात्मक प्रश्न	15 अंक
वक्रोक्तिजीवितम् से दो कारिकाओं की व्याख्या	15 अंक
काव्यालंकार सूत्राणि से दो सूत्रों की व्याख्या	15 अंक
उपर्युक्त पाठ्य ग्रन्थों से तीन लघूत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी	3X5=15 अंक

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

MASTER IN ARTS- PG			
Programme: ***Master In Faculty Arts- Sanskrit***		**Year: V**	**Semester: IX** **Paper- XII**
Subject: Sanskrit			
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध– चतुर्थ प्रश्नपत्र– 3/4 साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र**		
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. नाट्यशास्त्र के उद्भव से सुपरिचित होंगे। 2. साहित्यशास्त्र के सिद्धान्तों से अवगत होंगे। 3. दशरूपक ग्रन्थ के प्रयोजनों से परिचित हो सकेंगे। 4. नाट्य विषय ज्ञान में वृद्धि कर सकेंगे। 5. रूपकों के भेदक– तत्वों से परिचित हो सकेंगें 6. कथावस्तु के स्वरूप को समझ सकेंगे।			
Credits: 5		**Core Compulsory**	
Max. Marks: श्रेयांक– 5 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)		**Min. Passing Marks: 10+30= 40**	
Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0			

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	काव्यमीमांसा– राजशेखरकृत प्रथमअधिकरण के प्रथम अध्याय से पंचम अध्याय तक।	15
Unit II	काव्यमीमांसा– राजशेखरकृत प्रथमअधिकरण के षष्ठ अध्याय से दशम अध्याय तक।	12
Unit III	नाट्यशास्त्र– भरतप्रणीत– प्रथम अध्याय।	12
Unit IV	नाट्यशास्त्र– भरतप्रणीत– द्वितीय अध्याय।	14
Unit V	धनंजय विरचित दशरूपकम्– प्रथम प्रकाश।	12
	Class Room Lectures	65
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10
		Total- 75

Suggested Reading:

1. नाट्यशास्त्र– डॉ0 सत्यार्थ प्रकाश शर्मा।
2. नाट्यशास्त्र– बाबूलाल शुक्ल।
3. नाट्यशास्त्र– डॉ0 सुधाकर मालवीय।
4. संस्कृत नाट्य सिद्धान्त– डॉ0 रमाकान्त त्रिपाठी।
5. दशरूपकम्– भोलाशंकर व्यास।
6. दशरूपकम्– श्रीनिवास शास्त्री।
7. राजशेखरकृत– काव्यमीमांसा व्याख्याकार– डॉ0 गंगासागर राय।

अंकविभाजनः–

काव्यमीमांसा से तीन व्याख्याएँ	15 अंक
काव्यमीमांसा से एक दीर्घोत्तरीय प्रश्न	10 अंक
नाट्यशास्त्र से तीन व्याख्याएँ	15 अंक
दशरूपक से दो व्याख्याएँ	10 अंक
पठित ग्रन्थों से एक दीर्घोत्तरीय प्रश्न एवं दो टिप्पणी	25 अंक

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

MASTER IN ARTS- PG		
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*	**Year: V**	**Semester: IX Project**
Subject: Sanskrit		
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध– पंचम प्रश्नपत्र– संस्कृत और भारतीय समाज 3/5 शोधपरियोजना एवं मौखिक परीक्षा**	
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि वैदिक वाङ्मय से लेकर लौकिक साहित्य तक भारतीय समाज की उदात्त भावना परिलसित होती है। भारतीय समाज की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से परिचित होकर वर्तमान समय की पारिवारिक समस्याओं का समाधान ढूढ़ने की राह आसान होगी।		
Credits: 4		**Project**
Max. Marks: श्रेयांक– 4 (पूर्णांकः 100– 50 अंक बाह्य परीक्षक द्वारा/ 50 अंक आन्तरिक परीक्षक द्वारा)		**Min. Passing Marks: 10+30= 40**
Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0		

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	संस्कृत भाषा का उद्गम, विकास एवं महत्त्व।	20
Unit II	संस्कृतवाङ्मय में वर्णितभारतीय समाज का परिचय।	20
Unit III	संस्कृत साहित्य में भारतीय समाज की विशेषताएँ एवं महत्त्व तथा पूर्व में किये गये शोधकार्यों का सर्वेक्षण एवं शोधप्रविधि के अनुसार शोधकार्य।	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion, Presentation etc	Total- 60

संस्कृत एवं भारतीय समाज– संस्तुत पुस्तकें–

1. प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास– ए0एल0 बाशम– अद्भूत भारत सहाय स्वरूप– मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
2. हिन्दू संस्कार– राजबली पाण्डे– मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
3. संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास– उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादमी लखनऊ।
4. कालिदास ग्रन्थावली– चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी ।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

MASTER IN ARTS- PG		
Programme: ***Master In Faculty Arts- Sanskrit***	**Year: V**	**Semester: X** **Paper- XIII**
Subject: Sanskrit		
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध– प्रथम प्रश्नपत्र– 4/1 संस्कृतप्रकरण, चम्पूकाव्य एवं निबन्ध**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. गद्य एवं चम्पूकाव्य की उत्पत्ति और विकास से सुपरिचित होंगे।
2. प्रमुख गद्य एवं चम्पू काव्यों के प्रणेताओं, उनकी कथावस्तु तथा काव्यगत वैशिष्टय के विषय में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. संस्कृत काव्य की सुदीर्घ एवं वैविध्यमयी परम्परा से अवगत होंगे।
4. गद्य एवं चम्पू की विधाओं के विशिष्ट भाषिक प्रयोगों से अवगत होंगे।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: श्रेयांक– 5 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)	**Min. Passing Marks: 10+30= 40**

Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	मृच्छकटिकम्– शूद्रक प्रणीत– प्रथम अंक से पंचम अंक तक	15
Unit II	नलचम्पू– त्रिविक्रमभट्ट प्रथमउच्छ्वास– प्रारम्भ से वर्षावर्णन पर्यन्त	12
Unit III	पठित अंशों से समीक्षात्मक प्रश्न	12
Unit IV	काव्यशास्त्रीय संस्कृतनिबन्ध	14
Unit V	सामान्यविषयक संस्कृतनिबन्ध	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1. मृच्छकटिकम्– डॉ0 रमाकान्त द्विवेदी।
2. महाकवि शूद्रक– डॉ0 रमाशंकर तिवारी।
3. नलचम्पू– प्रो0 कैलाशपति त्रिपाठी।
4. चम्पूकाव्य का आलोचनात्मक अध्ययन– प्रो0 छविनाथ– त्रिपाठी।
5. संस्कृतनिबन्धशतकम्– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।
6. संस्कृतनिबन्धरत्नाकर– डॉ0 शिवप्रसाद भारद्वाज, दिल्ली नई सड़क अशोक प्रकाशन।
7. संस्कृतनिबन्धसुधा– डॉ0 राधेश्याम गंगवार।

अंक विभाजन :–

मृच्छकटिकम् से दो व्याख्याएँ	20 अंक
मृच्छकटिकम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
नलचम्पू पठित से एक पद्य एवं एक गद्य की व्याख्या	15 अंक
नलचम्पू से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
मृच्छकटिकम् एवं नलचम्पू से दो टिप्पणी	15 अंक

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

MASTER IN ARTS- PG		
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*	**Year: V**	**Semester: X** **Paper- XIV**
Subject: Sanskrit		
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध– द्वितीय प्रश्नपत्र– 4/2 काव्यशास्त्र**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. काव्यशास्त्र के स्वरूप एवं लक्षण से सुपरिचित होंगे।
2. काव्यशास्त्र की अवधारणा का ज्ञान हो सकेगा।
3. काव्यशास्त्र में काव्यसौन्दर्य के आधायक जिन गुण, रीति, अलंकार, ध्वनि आदि तत्त्वों से सुपरिचित होंगे।
4. काव्यशास्त्र की परम्परा से अवगत हो सकेंगे।
5. विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्‌भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्त्वों को समझने में सक्षम होंगे।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: श्रेयांक– 5 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)	**Min. Passing Marks: 10+30= 40**

Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	काव्यप्रकाश– आचार्य मम्मट, प्रथम तथा द्वितीय उल्लास।	15
Unit II	काव्यप्रकाश– आचार्य मम्मट, तृतीय एवं चतुर्थ उल्लास रस पर्यन्त।	12
Unit III	काव्यप्रकाश– आचार्य मम्मट, अष्टम उल्लास।	12
Unit IV	काव्यप्रकाश– आचार्य मम्मट, नवम उल्लास– वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक, दशम उल्लास– उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक।	14
Unit V	काव्यप्रकाश– आचार्य मम्मट, दशम उल्लास– निदर्शना, अपह्नुति, विभावना, विशेषोक्ति ,व्यतिरेक, दृष्टान्त और तुल्ययोगिता।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1. काव्यप्रकाश– आचार्य विश्वेश्वर।
2. काव्यप्रकाश– वामन झलकीकर।
3. काव्यप्रकाश– श्रीनिवास शास्त्री।
4. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास– पी0 वी0 काणे।
5. काव्यशास्त्रीय सिद्धान्त– डॉ0 लज्जा भट्ट।
6. भारतीय काव्यशास्त्रीय सिद्धान्त– डॉ0 हरिनारायण दीक्षित एवं डॉ0 किरण टण्डन।

अंक विभाजन :–

काव्यप्रकाश– 1 एवं 2 उल्लास से दो व्याख्याएँ	15 अंक
काव्यप्रकाश– 3 एवं 4 उल्लास से दो व्याख्याएँ	15 अंक
काव्यप्रकाश के अष्टम उल्लास से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
काव्यप्रकाश से तीन अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण	20 अंक
काव्यप्रकाश से दो टिप्पणी	2X05= 10 अंक

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

CERTIFICATE COURSE IN PG		
Programme: ***Certificate Course in Arts- Sanskrit***	**Year: V**	**Semester: X** **Paper- XV**
Subject: Sanskrit		
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध– चतुर्थ प्रश्नपत्र– 4/3 साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. नाट्यशास्त्र के उद्भव से सुपरिचित होंगे।
2. साहित्यशास्त्र के काव्य–दृश्यकाव्य, श्रव्यकाव्य से अवगत होंगे।
3. दशरूपक ग्रन्थ के प्रयोजनों से परिचित हो सकेंगे।
4. नाट्य विषय ज्ञान में वृद्धि कर सकेंगे।
5. रूपकों के भेदक–तत्वों से परिचित हो सकेंगें
6. कथावस्तु के स्वरूप को समझ सकेंगे।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: श्रेयांक– 5 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)	**Min. Passing Marks: 10+30= 40**

Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	साहित्यदर्पण– आचार्य विश्वनाथ, प्रथम परिच्छेद	15
Unit II	साहित्यदर्पण– आचार्य विश्वनाथ, द्वितीय परिच्छेद	12
Unit III	धनंजय विरचित दशरूपकम्– द्वितीय प्रकाश	12
Unit IV	धनंजय विरचित दशरूपकम्– तृतीय प्रकाश	14
Unit V	पठित ग्रन्थों से समीक्षात्मक प्रश्न	12
	Class Room Lectures	65
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10
		Total- 75

Suggested Reading:

1. राजशेखरकृत– काव्यमीमांसा.व्याख्याकार– डॉ0 गंगासागर राय।
2. दशरूपकम्– आचार्य धनंजय सम्पादक भोलाशंकर।
3. संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास– पंचम खण्ड।
4. अभिनव भारती– अभिनवगुप्त रचित टीका।
5. साहित्य दर्पण– विश्वनाथकविराजकृत. लक्ष्मीटीका युक्त. टीकाकार श्रीकृष्णमोहन शास्त्री.वाराणसी।
6. साहित्य दर्पण– शालिग्रामशास्त्री कृत विमला टीका।
7. साहित्य दर्पण– गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर।

अंक विभाजन :–

साहित्य दर्पण दो व्याख्याएँ	15 अंक
साहित्य दर्पण से एक समीक्षात्मक प्रश्न	12 अंक
दशरूपक से दो व्याख्याएँ	16 अंक
दशरूपक से एक समीक्षात्मक प्रश्न	12 अंक
पठित से ग्रन्थों चार टिप्पणीयाँ	20 अंक

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

CERTIFICATE COURSE IN PG			
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*		**Year: V**	**Semester: X** **Paper- XVI**
Subject: Sanskrit			
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध– चतुर्थ प्रश्नपत्र– 4/4 अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य एवं साहित्यकार**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य से सुपरिचित होंगे।
2. आधुनिक संस्कृतसाहित्यकारों से सुपरिचित होंगे।
3. अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य के विविध आयामों से परिचित होंगे।
4. अर्वाचीन पत्र–पत्रिकाओं से सुपरिचित होंगे।
5. उत्तराखण्ड के प्रमुख संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार परिचित होंगे।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: श्रेयांक– 5 (पूर्णांकः 100– 75 अंक बाह्य मूल्यांकन/ 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन)	**Min. Passing Marks: 10+30= 40**

Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य का इतिहास– अठारहवीं शताब्दी से लेकर अद्यतन।	15
Unit II	अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य के विविध आयाम।	12
Unit III	अर्वाचीन प्रमुख संस्कृतसाहित्यकार एवं रचनाएँ– पं0 अम्बिकादत्त व्यास, आचार्य विश्वेश्वर पाण्डेय, पण्डिता क्षमाराव, कविवरसत्यव्रत शास्त्री, डॉ0 ब्रह्मानन्द शुक्ल, श्रीधर भास्कर वर्णेकर, मथुरा प्रसाद दीक्षित, प्रो0 रमाकान्त शुक्ल, आचार्य कपिलदेव द्विवेदी, प्रो0 रेवाप्रसाद द्विवेदी, प्रो0 हरिनारायण दीक्षित, प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र, प्रो0 हरिदत्त शर्मा, प्रो0 ब्रजेश कुमार शुक्ला।	12
Unit IV	अर्वाचीन प्रमुख पत्र–पत्रिकाओं का परिचय– दूर्वा, सागरिका, अजस्रा, अर्वाचीनसंस्कृतम्, संस्कृतमञ्जरी, शोधभारती, शोधप्रभा, वैदिक वाग्ज्योति, गाण्डीवम्, वाक्।	14
Unit V	उत्तराखण्ड के प्रमुख संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार परिचय।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1. आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास– पद्मभूषणपं0 बलदेव उपाध्याय।
2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास– सप्तम खण्ड– सम्पादक डॉ0 जगन्नाथ पाठक, उ0प्र0सं0सं0लखनऊ।
3. आधुनिक संस्कृत नाटक– रामजी उपाध्याय।
4. संस्कृत का अर्वाचीन समीक्षात्मक काव्यशास्त्र– प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र।
5. काव्यालंकारकारिका– प्रोफेसर रेवाप्रसाद द्विवेदी।
6. साहित्यविमर्श– प्रोफेसर रहस विहारी द्विवेदी।
7. संस्कृतसाहित्य का अभिनव इतिहास– प्रो0 राधबल्लभ त्रिपाठी।
8. विंशतिशताब्दीसंस्कृतकाव्यामृतम्– प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र।
9. अभिराजयशोभूषण्म्– प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र।

अंक विभाजन :–

अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य का इतिहास से एक परिचयात्मक प्रश्न	15 अंक
अर्वाचीन संस्कृत साहित्य के विविध आयामों का संक्षिप्त परिचय	15 अंक
पठित किसी एक अर्वाचीन संस्कृतसाहित्यकार का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व	15 अंक
अर्वाचीन पत्र–पत्रिकाओं पर एकसमीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
उत्तराखण्ड के किन्हीं दो प्रमुख संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय	15 अंक

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

MASTER IN ARTS- PG		
Programme: Master In Faculty *Arts- Sanskrit*	**Year: V**	**Semester: X Project**
Subject: Sanskrit		
Course Code:	**Course Title: स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्रार्द्ध– पंचम प्रश्नपत्र– संस्कृत नाट्य एवं सिनेमा 4/5 शोधपरियोजना एवं मौखिक परीक्षा बाह्य परीक्षक द्वारा**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

नाट्य के सामान्य स्वरूप व प्रमुख सिद्धान्तों के अध्ययनोपरान्त नाट्यशास्त्र की शास्त्रीय समीक्षा का बोध होगा। इन सिद्धान्तों का विभिन्न भाषायी सिनेमा में अनुप्रयोग सम्बन्धी अध्ययन के द्वारा शास्त्रीय अभिनय कौशल और दक्षता का विकास होगा। इन मूल्यों के आधार पर आधुनिक फिल्में शंकराचार्य, मदर इण्डिया, गाँधी आदि की समीक्षा करने में सक्षम होंगे।

Credits: 4	**Project**
Max. Marks: श्रेयांक– 4 (पूर्णांकः 100– 50 अंक बाह्य परीक्षक द्वारा/ 50 अंक आन्तरिक परीक्षक द्वारा)	**Min. Passing Marks: 10+30= 40**

Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	संस्कृत नाट्य–परिचय एवं महत्त्व।	20
Unit II	सिनेमा परिचय एवं महत्त्व।	20
Unit III	संस्कृत नाट्य एवं सिनेमा के क्षेत्रमें पूर्व में किये गये शोधकार्यों का सर्वेक्षण एवं शोधप्रविधि के अनुसार शोधकार्य।	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion, Presentation etc	Total- 60

संस्कृत नाट्य एवं सिनेमा– संस्तुत पुस्तकें–

1. नाट्यशास्त्र– भरतमुनि– मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
2. संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास– नाट्यशास्त्र खण्ड– उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादमी लखनऊ।
3. संस्कृतवाङ्मय का बृहत् इतिहास– उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादमी लखनऊ।
4. कालिदास ग्रन्थावली– चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी ।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects: